सुर मुनि-पूजित गणनायक की ऋद्धि-सिद्धि स्वामी समर्थ अति विमल बुद्धि दाता सुविमल-मति,

सुर मुनि-पूजित गणनायक की ॥ऋद्धि-सिद्धि स्वामी समर्थ अति,
विमल बुद्धि दाता सुविमल-मति,
अघ-वन-दहन, अमल अविगत गति,
विद्या, विनय-विभव दायक की ॥ आरती गजवदन विनायक की।
सुर मुनि-पूजित गणनायक की ॥पिंगलनयन, विशाल शुंडधर,
धूम्रवर्ण, शुचि वज्रांकुश-कर,
लम्बोदर, बाधा-विपत्ति-हर,
सुर-वन्दित सब विधि लायक की ॥आरती गजवदन विनायक की।
सुर मुनि-पूजित गणनायक की ॥आरती गजवदन विनायक की।
सुर मुनि-पूजित गणनायक की ॥

Source: https://www.bharattemples.com/sur-muni-poojit-gananaayak-kee/

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw